Economic Times (Hindi)

Logistics industery mein grwoth ki zabardast gunjayish

Date: 06/05/2015 | Edition: Delhi | Page: 8 | Source: Aveline Foke And Jaidevan PK | Clip size (cm): W: 2

India Media Monitor

लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में ग्रोथ की जबरदस्त गुंजाइश

ब्लू डार्ट एक्सप्रेस और ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर्स में पिछले दो साल में दोगुनी तेजी

[एवलिन फोक & जयदेवन पी के | बेंगलुरु]

अगर आपने 2013 के अंत में गति लिमिटेड के शेयर्स खरीदे थे, तो अब इनकी कीमत कम से कम 10 गुना होगी। हालांकि, 25 साल पुरानी इस लॉजिस्टिक्स कंपनी के शेयर में पिछले काफी समय से ज्यादा हलचल नहीं हुई है। इसी तरह ब्लू डार्ट एक्सप्रेस और ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर्स में पिछले दो साल में दोगुने से भी ज्यादा की तेजी आई है।

इनवेस्टर्स के लिए यह खुशी की बात है, लेकिन भारत में लॉजिस्टिक्स अभी भी ई-कॉमर्स कंपनियों और मर्चेंट्स से गुड्स की डिलीवरी का इंतजाम करने वाली ऑनलाइन फर्मों के तेजी से बढ़ते बिजनेस के साथ अपनी रफ्तार बनाए रखने की क्षमता नहीं है। थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर डेलीवेरी के को-फाउंडर एंड चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर भावेश मंगलानी का कहना है, 'भारत में ऑनलाइन मार्केटप्लेसेज के चलते ई-कॉमर्स की ग्रोथ और वॉल्यूम बढ़ रही है और किसी भी लॉजिस्टिक्स फर्म के पास पूरी सप्लाई चेन अवलेबल कराने की अभी क्षमता नहीं है।'

समस्या की शुरुआत छोटे शहरों और गांवों में सही फिजिकल एड्रेस की कमी के साथ होती है। लोकेशन इंटेलिजेंस में स्पेशलाइजेशन रखने वाल आठ वर्ष पुरानी स्टार्टअप वेरायू के को-फाउंडर एंड चीफ एग्जिक्यूटिव श्रीराम कन्नन ने कहा,

'अगर आपको कस्टमर का सही पता नहीं मालूम तो आपको काफी मुश्किल होगी।' इस कंपनी ने ऐसी टेक्नोलॉजी पेटेंट कराई है, जो बिना जीपीएस के इस्तेमाल से डिलीवरी वॉयज के लिए कम समय में लोकेशन तक पहुंचने के रूट बताती है।

ऑनलाइन रिटेलर्स पर कम समय में ऑर्डर्स की डिलीवरी का प्रेशर रहता है। चीन में अलीबाबा की अगुवाई में ई-कॉमर्स के बढ़ते बिजनेस को सरकार की फंडिंग वाले इंफ्रास्ट्रक्चर से मदद मिली है। हालांकि, भारत में ई-कॉमर्स कंपनियों को कस्टमर्स के पास गुड्स पहुंचाने के लिए अपने रास्ते तलाश करने पड़ते हैं और इसमें उनका काफी खर्च होता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद के डीन जी रघुराम ने बताया, 'कंपनियों को लॉजिस्टिक्स का मुद्दा खुद सुलझाना होता है। इसमें वेयरहाउस की लोकेशन, जल्द डिलीवरी के लिए आईटी की मदद और शिपमेंट के लिए पार्सल का सही साइज जैसे मुद्दे शामिल होते हैं। व्हीकल जितना छोटा होगा, डिलीवरी की कॉस्ट उतनी ही बढ़ जाएगी।' देश की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट डिलीवरी कॉस्ट कम करने के लिए कई एक्सपेरिमेंट्स कर रही है। कंपनी का टारगेट 2017-18 तक हर महीने कम से कम एक अरब पैकेज की शिपमेंट तक पहुंचने का है। अभी यह आंकड़ा लगभग 80 लाख शिपमेंट का है। देश की लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री की वैल्यू 2012-13 में लगभग 130 अरब डॉलर की थी। बहुत से ऑनलाइन रिटेलर्स डेलीवेरी जैसी थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स फर्मों के साथ काम करना पसंद करते हैं। हालांकि, ये लॉजिस्टिक्स फर्में भी डिमांड को पूरा नहीं कर पा रही हैं।